कक्षा–12 NCERT भूगोल (मानव भूगोल के मूल सिद्धांत)

अध्याय–06 (द्वितीयक क्रियाएं | Secondary Activities) – नोट्स

Youtube Channel Name : Siddhi Vinayak Sangaria

Channel Link- https://www.youtube.com/channel/UCJlUDM0uPIL7kEO0ZMdDcHg

Telegram link - https://t.me/siddhivinayaksangariamukesh (Siddhi Vinayak Sangaria)

---

1. **निम्न में से कौनसा कथन असत्य है?**

(1) हुगली के सहारे जूट के कारखाने सस्ती जल यातायात की सुविधा के कारण स्थापित हुए

(2) चीनी, सूती वस्त्र एवं वनस्पति तेल उद्योग स्वच्छंद उद्योग हैं

(3) खनिज तेल एवं जल–विद्युत शक्ति के विकास ने उद्योगों की अवस्थिति कारक के रूप में कोयला शक्ति के महत्त्व को कम किया है

(4) पत्तन नगरों ने भारत में उद्योगों को आकर्षित किया है

2. **निम्न में से कौनसी एक अर्थव्यवस्था में उत्पादन का स्वामित्व व्यक्तिगत होता है?**

(1) पूंजीवाद (2) मिश्रित

(3) समाजवाद (4) इनमें से कोई नहीं

3. **निम्न में से कौनसा एक प्रकार का उद्योग अन्य उद्योगों के लिए कच्चे माल का उत्पादन करता है?**

(1) कुटीर उद्योग (2) छोटे पैमाने के उद्योग

(3) आधारभूत उद्योग (4) स्वच्छंद उद्योग

4. **निम्न में से कौनसा एक जोड़ा सही मेल खाता है?**

(1) स्वचालित वाहन उद्योग – लॉस एंजेल्स

(2) पोत निर्माण उद्योग – लुसाका

(3) वायुयान निर्माण उद्योग – फ्लोरेंस

(4) लौह–इस्पात उद्योग – पिट्सबर्ग

5. **कच्चे माल पर आधारित प्रमुख उद्योगों के नाम लिखिए–**

उत्तर– कच्चे माल पर आधारित उद्योग–

1. कृषि आधारित – चीनी, वनस्पति तेल, सूती वस्त्र, कॉफी, चाय, रबर, अचार, फलों का रस आदि।
2. खनिज आधारित – लौह–इस्पात, ताम्बा, एल्यूमीनियम, सीमेंट, मिट्टी के बर्तन आदि।
3. रसायन आधारित – पेट्रो रसायन, प्लास्टिक, कृत्रिम रेशा, नमक, रासायनिक उर्वरक आदि।
4. वन आधारित – इमारती लकड़ी, लाख, कागज आदि।
5. पशु आधारित – चमड़ा, ऊन आदि।

6. **आधुनिक बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की कुल चार विशेषताएं लिखिए।**

उत्तर– आधुनिक बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की विशेषताएं निम्नलिखित हैं–

1. कौशल विशिष्टीकरण
2. यंत्रीकरण
3. प्रौद्योगिकीय नवाचार
4. संगठनात्मक ढांचा एवं स्तरीकरण

7. **उद्योगों की स्थिति को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों के नाम लिखिए–**

उत्तर– उद्योगों की स्थिति को प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित हैं–

1. बाजार तक पहुँच

Youtube Channel : Siddhi Vinayak Sangaria

2. कच्चे माल की प्राप्ति तक पहुँच
3. श्रम आपूर्ति तक पहुँच
4. शक्ति के साधनों तक पहुँच
5. परिवहन एवं संचार की सुविधाओं तक पहुँच
6. सरकारी नीति
7. समूहन अर्थव्यवस्था तक पहुँच

8. प्रौद्योगिकीय नवाचार क्या है?

उत्तर– शोध एवं विकासमान युक्ति के माध्यम से विनिर्माण की गुणवता को नियंत्रित करना, प्रदूषण के विरुद्ध संघर्ष करना तथा नई तकनीकों को अपनाना प्रौद्योगिकीय नवाचार कहलाता है।

9. निम्नलिखित पर 30 शब्दों में टिप्पणी लिखिए–

1. उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग 2. विनिर्माण 3. स्वच्छंद उद्योग

उत्तर–

उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग– उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग उन्नत वैज्ञानिक शोध एवं विकास तथा इंजीनियरिंग पर आधारित नवीन पीढी के उद्योग हैं जिनमें नीले कॉलर श्रमिक की अपेक्षा सफेद कॉलर श्रमिक अधिक संख्या में पाए जाते हैं। सफेद कॉलर श्रमिक, नीले कॉलर श्रमिकों की अपेक्षा दक्षता वाले होते हैं। ऐसे औद्योगिक प्रदेश में उन्नत प्रयोगशालाएं, यातायात एवं संचार के विकसित साधन पाए जाते हैं जिसके परिणामस्वरूप प्रादेशिक एवं स्थानीय योजना में व्यावसायिक पार्क का भी निर्माण किया जा रहा है।

विनिर्माण– प्राथमिक उत्पाद या कच्चे माल को मशीनों की सहायता से बड़े पैमाने पर निर्मित वस्तुओं में बदलने की क्रिया को विनिर्माण कहा जाता है तथा इससे संबंधित उद्योग को विनिर्माण उद्योग कहा जाता है, जैसे– लौह–अयस्क से इस्पात बनाना। विनिर्माण की प्रक्रिया में सुई से लेकर जलयान या वायुयान जैसी वस्तुओं का निर्माण किया जाता है, जिसमें शक्ति का उपयोग किया जाता है। इसमें बड़ी संख्या में मानक वस्तुओं का उपयोग किया जाता है।

स्वच्छंद उद्योग– ये ऐसे उद्योग हैं जो विविधता वाले स्थानों पर स्थित होते हैं तथा ये कच्चे माल में कमी या वृद्धि पर निर्भर नहीं करते हैं। ये उद्योग कहीं भी स्थापित किए जा सकते हैं। इनमें श्रमिकों की कम आवश्यकता होती है, साथ ही ऐसे उद्योग पर्यावरण प्रदूषित नहीं करते हैं। इन उद्योगों का कच्चा माल दूसरे उद्योगों का तैयार माल होता है, जिनमें क्षति कम होती है।

10. प्राथमिक एवं द्वितीयक गतिविधियों में क्या अंतर है?

उत्तर– प्राथमिक एवं द्वितीयक गतिविधियों में निम्नलिखित अंतर है–

प्राथमिक गतिविधियां	**द्वितीयक गतिविधियां**
जिन कार्यों में उत्पादन सीधे प्रकृति से प्राप्त किया जाता है, उसे प्राथमिक क्रिया कहते हैं।	जिन कार्यों में उत्पादन के लिए प्राथमिक क्रियाओं से उत्पन्न वस्तुओं का उपयोग किया जाता है, उसे द्वितीयक क्रिया कहते हैं।
इसके उत्पादन अपेक्षाकृत कम मूल्यवान होते हैं।	इसके उत्पादन अपेक्षाकृत अधिक मूल्यवान होते हैं।
प्राथमिक गतिविधियों के लिए अपेक्षाकृत कम पूंजी की आवश्यकता होती है।	इसके लिए अपेक्षाकृत अधिक पूंजी निवेश की आवश्यकता होती है।
इसमें प्राकृतिक वस्तुओं का दोहन किया जाता है।	इसमें वस्तुओं के स्वरूप में परिवर्तन किया जाता है।
प्राथमिक क्रियाएं निम्न मानव विकास की सूचक हैं।	द्वितीयक क्रियाएं उच्च मानव समाज की सूचक हैं।

Youtube Channel : Siddhivinayak Sangaria

यह अविकसित देशों का मुख्य क्रियाकलाप है।	यह विकसित देशों का मुख्य क्रियाकलाप है।
इसके उत्पादों का मूल्य निर्धारण होता है।	इसके उत्पादों के मूल्य में वृद्धि होती है।
इस क्रिया में संलग्न श्रमिक लाल कॉलर श्रमिक कहलाते हैं।	इस क्रिया में संलग्न श्रमिक सफेद कॉलर श्रमिक कहलाते हैं।
इसमें अपेक्षाकृत कम ज्ञान की आवश्यकता होती है।	इसमें उच्च ज्ञान की आवश्यकता होती है।

11. विश्व के विकसित देशों के उद्योगों के संदर्भ में आधुनिक औद्योगिक क्रियाओं की मुख्य प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए।

उत्तर– आधुनिक औद्योगिक क्रियाएँ ऐसी औद्योगिक क्रियाएँ, जिनमें आधुनिक स्वचालित मशीनें, अधिक पूँजी निवेश, कुशल और विशेषीकृत श्रमिक का उपयोग करके उत्पादन बड़े स्तर पर बाजारों अर्थात् उपभोक्ता के लिए किया जाता है, वे आधुनिक औद्योगिक क्रियाएँ कहलाती हैं।

आधुनिक औद्योगिक क्रियाओं की मुख्य प्रवृत्तियाँ निम्नलिखित हैं विश्व के कुल स्थलीय भाग के 10 प्रतिशत से कम भू–भाग पर इसका विस्तार पाया जाता है। कुल क्षेत्र को आच्छादित करने की दृष्टि से विनिर्माण स्थल प्रक्रियाओं की अधिक गहनता के कारण कृषि की अपेक्षा बहुत छोटे केंद्रों में संकेंद्रित होता है, जो अधिक संख्या में रोजगार उपलब्ध कराते हैं। यह उद्योग एक जटिल प्रौद्योगिकी तंत्र, अधिक पूँजी, बड़े संगठन और अधिक संख्या में प्रशासकीय अधिकारी वर्ग द्वारा संचालित होता है। इस उद्योग में अत्यधिक विशिष्टीकरण, श्रम विभाजन के द्वारा कम प्रयास एवं अल्प लागत से अधिक माल का उत्पादन होता है।

आधुनिकतम औद्योगिक क्रियाओं में कंप्यूटर आधारित डिजाइन तथा निर्माण, धातु पिघलाने एवं शोधन जैसे कार्यों के लिए इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण प्रणाली का उपयोग किया जाता है। इसमें नवाचार से उत्पादन के स्तर में वृद्धि के साथ गुणवत्ता में बदलाव आता है। कुशल प्रशासनिक वर्ग द्वारा कार्यों के संचालन से कार्य में स्पष्टता आती है।

12. अधिकतर देशों में उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग प्रमुख महानगरों के परिधि क्षेत्रों में ही क्यों विकसित हो रहे हैं? व्याख्या कीजिए।

उत्तर– उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग उन्नत वैज्ञानिक शोध एवं विकास तथा इंजीनियरिंग पर आधारित नवीन पीढ़ी के उद्योग हैं, जिनमें नीले कॉलर श्रमिक की अपेक्षा सफेद कॉलर श्रमिक ज्यादा संख्या में संलग्न रहते हैं, जो काफी कुशल एवं दक्ष होते हैं। कंप्यूटर आधारित डिजाइन (कैड) तथा निर्माण, शोधन एवं इलेक्ट्रॉनिक आदि उच्च प्रौद्योगिकी से संबद्ध होते हैं। इसमें प्रयोगशालाएँ एवं संचार के विकसित साधन स्वच्छंद होते हैं। ऐसे उद्योगों का विकास महानगरों के परिधि क्षेत्र में किया जाता है, जिसके प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं–

- महानगरों के परिधि क्षेत्र अधिक लाभ प्रदान करते हैं, जहाँ बड़ी संख्या में कुशल श्रम की उपलब्धता होती है।
- आस–पास के गाँवों एवं समीप के क्षेत्रों में सस्ते श्रम की भी आपूर्ति हो जाती है।
- इनके परिधि क्षेत्र में यातायात व संचार के साधन विकसित होते हैं, जिससे इनका महत्त्व और बढ़ जाता है।
- महानगरों के परिधि क्षेत्र में भूमि अपेक्षाकृत सस्ती मिल जाती है, जिससे उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग को स्थापित करने में कम लागत आती है। महानगरों की परिधि में रहने वाले लोग वैश्विक नवीन तकनीक से अवगत होते हैं, जिससे ऐसे उद्योगों के प्रति लोगों की सकारात्मक सोच पाई जाती है, जिससे इसको बढ़ावा मिलता है।

उपरोक्त कारणों से यह स्पष्ट है कि अधिकतर देशों में उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग प्रमुख महानगरों के परिधि क्षेत्रों में ही विकसित हो रहे हैं, जहाँ इन उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण पाया जाता है।

Youtube Channel: Siddhi Vinayak Sangaria

13. **अफ्रीका में अपरिमित प्राकृतिक संसाधन हैं, फिर भी औद्योगिक दृष्टि से यह पिछड़ा महाद्वीप है। समीक्षा कीजिए।**

उत्तर– अफ्रीका में जल विद्युत, कोयला, पेट्रोलियम, लौह–अयस्क, सोना, हीरा व अभ्रक जैसे खनिज संसाधनों की प्रचुरता है, फिर भी अफ्रीका औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा हुआ है। इसके निम्नलिखित कारण हैं अफ्रीका में अभी तक तीव्र, सक्षम और पर्याप्त लंबाई में यातायात के साधनों का विकास नहीं हुआ है।

अफ्रीका में अधिक जनसंख्या के होते हुए भी कुशल श्रमिकों की संख्या कम है। इस महाद्वीप में विद्युत और जल–विद्युत का विकास बहुत कम हुआ, जबकि संभावना बहुत अधिक थी। अतः शक्ति के अभाव में यह महाद्वीप पिछड़ा हुआ है।

यहाँ पर विनिर्माण क्षेत्रों में अभी तक पूँजी का निवेश पर्याप्त मात्रा में नहीं हुआ है।

अफ्रीकी लोगों की क्रय क्षमता कम है और वे गरीब हैं। अतः बाजार में वस्तुओं की माँग भी कम है।

अफ्रीका के पिछड़ेपन के लिए वहाँ की सरकारी नीतियाँ भी जिम्मेदार हैं। यहाँ आधुनिक तकनीकी शिक्षा का प्रचार बहुत कम . हुआ है, जबकि अधिकांश देशों में राजनीतिक अस्थिरता एवं अराजकता का वातावरण पाया जाता है।

भूगोल के प्रत्येक अध्याय को अच्छे से समझने के लिए
सिद्धि विनायक संगरिया यू–ट्यूब चैनल पर आप वीडियो देखें।
इसके लिए आपको चैनल की प्ले–लिस्ट NCERT Geography|2021-22|Class 12
(https://www.youtube.com/playlist?list=PLIlq5TfwxGWHvzdSsfQhFHa2CUi1JER_A)
में अध्यायवार सभी वीडियो एकसाथ मिलेंगे। आप भी पढ़ें और
अपने साथियों को भी पढ़ने के लिए प्रेरित करें।
धन्यवाद
सिद्धि विनायक संगरिया टीम

Youtube Channel : Siddhi Vinayak Sangaria